विकल्प हो सकता है।कैंसर पाया जाए, तो सर्जन हर संभव कैंसर को तत्काल दूर करने के लिए तत्काल सर्जरी शुरू कर सकते हैं।

उपचार के विकल्प :

1. अंडाशय के कैंसर के उपचार के लिए सर्जरी या कीमोथेरापी अनिवार्य उपचार पद्धति है।
2. उपचार का आधार बीमारी का चरण, हिस्टोलॉजिक कोष का प्रकार, मरीज की आयु व समेकित स्थिति पर निर्भर है।
3. नियमित जाँच व चिकित्सकीय परीक्षण से तय किया जाएगा कि सर्जरी की जाए या कीमोथेरापी।

चरण 1 व 2 (प्रारंभिक चरण)

ऐसी महिलाओं को सम्पूर्ण एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टॉमी जैसी सर्जरी, अंडाशय व फैलोपियन ट्यूब दूर करने, ओमेनेक्टॉमी, लिम्फेडनोपैथी तथा पेढ़ू व पेट की पेशियों की बायोप्सी की जरूरत पड़ेगी।

एक ही अंडाशय में कैंसर से ग्रस्त युवा महिलाओं को कई बार हिस्टेरेक्टॉमी व सामने वाली ओवेरी निकाले बगैर युनिलेटरल सेल्पिन्जो-ओफोरेक्टॉमी (प्रभावित ओवेरी व फैलोपियन ट्यूब निकाल देना) की जाती है। इस सर्जरी के बाद कीमोथेरापी अनिवार्य रूप से करनी पड़ती है।

चरण 3 व 4

ऐसे मामलों में कैंसर पेट सहित व्यापक रूप से फैल चुका होता है। अतः सर्जरी करना संभव नहीं होता। कीमोथेरापी दी जाती है और उसके बाद सर्जरी होती है।

जोखिम घटाने के चार सरल कदम

1. जोखिम बढ़ाने वाली आपकी निजी व पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा अन्य परिबलों के बारे में जानें।
2. अंडाशय के कैंसर के लक्षण होने के संकेतों को पहचानें (स्थानीय उपचार से नहीं ठीक होने वाले)
3. प्रतिवर्ष एक बार गायनेकोलॉजिकल जाँच कराएँ और अंडाशय के कैंसर के जोखिम के बो में तथा आपको अंडाशय के कैंसर को रोकने के कार्य में भाग लेना चाहिए या नहीं, इस बारे में अपने डॉक्टर से बात करें।
4. इस सूचना पत्र में दर्शाए अनुसार अंडाशय के कैंसर का कोई भी लक्षण 2 - 3 सप्ताह तक रोजाना देखने को मिले, तो तत्काल अपने डॉक्टर से बात करें।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**
फोन : **+91-79-2771 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-2772 1257
मोबाईल : +91 99792 75555 ईमेल : cims.cancer@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00
सीम्स अस्पतालकी अेप्लीकेशन उपलब्ध है।

Google play | App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000

सीम्स अंडाशय का कैंसर

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

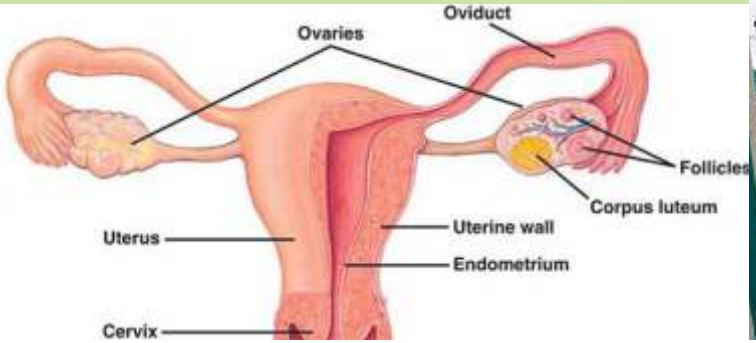

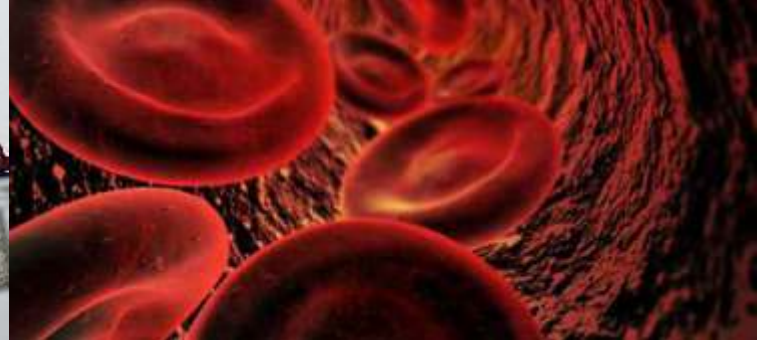

अंडाशय का कैंसर क्या है?

अंडाशय का कैंसर कैंसर का एक प्रकार है, जो अंडाशय में शुरू होता है। महिलाओं में गर्भाशय के दोनों तरफ एक-एक यानी कुल दो अंडाशय होते हैं। प्रत्येक अंडाशय का कद बादाम जैसा होता है, जो अंडे (अंड) व अंतःस्राव - एस्ट्रोजन तथा प्रोजेस्टेरोन पैदा करता है।

लक्षण

अंडाशय के कैंसर के प्रारंभिक चरण में शायद ही कोई लक्षण देखा जाता है। अंडाशय का कैंसर आगे बढ़ने के बाद कुछ अनिश्चित लक्षण देखे जाते हैं, जिन्हें साधारण हल्की स्थिति की तरह या कब्ज या आँत के दर्द के रूप में मान लिया जाता है।

अंडाशय के कैंसर के लक्षणों व संकेतों में शामिल हैं:

- पेट फूलना या सूजना
- खाते वक्त तरुंत ही पेट भर जाने का एहसास
- वजन में कमी
- पेढ़ू के हिस्से में दर्द
- आँत के कामकाज में फेरबदल या कब्ज
- बार-बार पेशाब करने जाना

कारण

अंडाशय का कैंसर किन कारणों से होता है, यह स्पष्ट नहीं है।

साधारण जीन्स की विकृति के कारण सामान्य कोष विकृत कैंसर के कोष में बदलते हैं, तब कैंसर शुरू होता है। कैंसर के कोष तेजी से विभाजित होते जाते हैं और एक गाँठ बनाते हैं। वह निकटस्थ पेशियों पर हमला करते हैं और प्रारंभिक गाँठ से टूट कर शरीर के अन्य भागों में फैलते हैं (मेटास्टेसाइज)।

आपके शरीर को संभालें

उपरोक्त कहे अनुसार लक्षण कभी दिखाई दें, तो इसका मतलब हमेशा ये नहीं होता कि महिला को अंडाशय का कैंसर हुआ है, बल्कि लक्षणों में उपचार से राहत न मिलने पर और एक माह से अधिक समय तक लक्षण बने रहने तक डॉक्टर के साथ बात करके उचित जाँच कराना जरूरी है।

अंडाशय के कैंसर से ग्रस्त महिलाओं में अन्य कुछ सामान्य लक्षण भी दर्ज किए गए हैं, जैसे कि थकान लगना, पीठ में दर्द, संभोग के समय दर्द, कब्ज व अनियमित मासिक। हालाँकि ये लक्षण सामान्य महिलाओं में भी पाए जाते हैं और इसलिए केवल इन लक्षणों का होना मात्र ही अंडाशय के कैंसर को पहचानने के लिए पर्याप्त नहीं है।

जोखिम तत्व

कुछ तत्वों के कारण अंडाशय के कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है।

उम्र : अंडाशय का कैंसर किसी भी उम्र में हो सकता है, परंतु अधिकांशतः 50 से 60 वर्ष की महिलाओं में होता है।

आनुवांशिक जेनेटिक विकृति : आनुवांशिक जेनेटिक विकृति के कारण भी अल्प प्रतिशत में महिलाओं में अंडाशय का कैंसर होता है। अंडाशय के कैंसर की संभावना बढ़ाने वाले जीन्स को स्तन कैंसर जीन्स 1 (बीआरसीए 1) और स्तन कैंसर के जीन्स 2 (बीआरसीए 2) के रूप में जाना जाता है। ये जीन्स मूलभूत रूप से स्तन कैंसर के एक से अधिक मामलों वाले परिवार में पाए जाते हैं, जिसके आधार पर उसका नाम दिया गया है, परंतु इस विकृति से ग्रस्त महिलाओं में अंडाशय के कैंसर का जोखिम भी बढ़ जाता है।

- **एस्ट्रोजन हॉर्मोन रिप्लेसमेंट थेरापी** विशेषकर लम्बे समय तक और बड़े डोज ली हो तब
- **मासिक शुरू होने व बंद होने की उम्र** आपको 12 वर्ष की आयु से पहले मासिक शुरू हो जाए और 52 वर्ष की आयु के बाद मेनोपोज आए, तो आपको अंडाशय का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है।
- **कभी गर्भवती न हों**
- **फर्टिलिटी का उपचार लें**
- **धूम्रपान**
- **इंट्रायूटेरिन (गर्भाशय में दाखिल होने वाले) साधनों का उपयोग**
- **पॉलिसिस्टिक ओवेरी सिण्ड्रॉम**

आप में अंडाशय के कैंसर का पहले से ही जीन्स आधारित रवैया हो, तो आपके डॉक्टर बीमारी का निदान करने के लिए आपको पेल्विक इमेजिंग (पेढ़ू की तसवीर) और रक्त परीक्षण की सलाह दे सकते हैं।

निदान

आपके डॉक्टर पेढ़ू की जाँच से शुरुआत कर सकते हैं :

- आपके जननांग के बाह्य हिस्से की ध्यान से जाँच की जाएगी।
- उसके बाद डॉक्टर दस्ताने पहन कर दो उंगलियाँ योनि में दाखिल करेंगे और आपके गर्भाशय अंडाशय को परखने के लिए आपके पेट पर हाथ दबाएँगे।
- एक साधन (स्पेक्युलम) योनि में दाखिल किया जाता है, जिससे डॉक्टर कोई भी खामी देख सकते हैं।

आपके पेट या पेढ़ू को इमेजिंग टेस्ट (परीक्षण) की तरह अल्ट्रा साउण्ड या सीटी स्कैन।इन परीक्षणों से आपके अंडाशय के कद, आकार व ढाँच को तय करने में मदद मिल सकती है।

- **रक्त परीक्षण** जिससे अंडाशय के कैंसर के कोष की सतह पर प्रोटीन (सीए 125) की जानकारी मिल सकती है।
- **सर्जरी** अंडाशय के कैंसर के निदान की पुष्टि करने के लिए सर्जरी करके पेशी का नमूना व पेट का प्रवाही लिया जाता है।कम से कम काट-छाँट करनी पड़ती है (मिनीमली इवेजिव) या रोबोटिक सर्जरी से